राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 64 | जौनपुर शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

उच्च न्यायालय ने फर्रुखाबाद पुलिस मामले में निर्णय सुरक्षित रखा

इलाहाबाद, (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में बुधवार को अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया। इस मामले में पुलिस ने कथित तौर पर याचिकाकर्ता को अपनी याचिका वापस लेने के लिए बाध्य किया था। सुनवाई के दौरान, फर्रुखाबाद की पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने अदालत से बिना शर्त माफी मांगी। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की पीठ ने संबंधित पक्षों को सुनने के बाद प्रीति यादव नाम की महिला द्वारा दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर निर्णय सुरक्षित रख लिया। यादव ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता नंबर 2 और 3 को प्रतिवादियों द्वारा आठ सितंबर को रात नौ बजे अवैध रूप से हिरासत में लिया गया और 14 सितंबर को रात 11 बजे रिहा किया गया। आरोप है कि रिहा किए जाने के समय याचिकाकर्ता से जबरदस्ती एक पत्र लिखवाया गया कि याचिकाकर्ता 2 और 3 को हिरासत में नहीं लिया गया और वह अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर नहीं करेगी। इसके बाद याचिकाकर्ता 2 और 3 को रिहा किया गया। उक्त बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका 12 सितंबर, 2025 को दाखिल की गई जिसके बाद पुलिस अधिकारियों को इसके बारे में 14 सितंबर को तब पता चला जब अदालत ने उन्हें समन जारी किया।

जयराम रमेश का पीएम मोदी पर तंज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा के दावे पर बढ़ते विवाद के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। कांग्रेस में संचार मामलों के प्रभारी महासचिव रमेश ने एएनआई को बताया कि भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी में की है। यहाँ से तारीफ, वहाँ से टैरिफ। जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद के समक्ष अमेरिकी व्यापार समझौते के बारे में विस्तृत जानकारी देने और यह भी बताने को कहा कि यह अभी तक क्यों नहीं हुआ है। रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि रूस से तेल खरीदने के पीछे की सच्चाई क्या है? अमेरिकी व्यापार समझौता अभी तक क्यों नहीं हुआ है? उन्हें संसद को विश्वास में लेना चाहिए, आम सहमति बनानी चाहिए और बताना चाहिए। हमारी विदेश नीति पूरी तरह विफल रही है। राज्यसभा सांसद ने ट्रंप द्वारा किए गए कई दावों पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया, जिनमें ष्व्यापारिक धमकियाँष देकर भारत–पाकिस्तान युद्ध रोकना और यह दावा करना शामिल है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। रमेश ने कहा, ष्राष्ट्रपति ट्रंप 51 बार दावा कर चुके हैं कि व्यापारिक धमकी देकर भारत–पाकिस्तान तनाव को कम करने के लिए वे जिम्मेदार हैं।

140 करोड़ भारतीयों की होगी 21वीं सदी - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने लगभग 13,430 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और राष्ट्र को समर्पित किया। मोदी ने आंध्र प्रदेश गौरव और समृद्ध संस्कृति की भूमि है। यह विज्ञान और नवाचार का केंद्र भी है। इस राज्य में असीम संभावनाएँ और अपार क्षमताएँ हैं। उन्होंने कहा कि आंध्र को सही दृष्टिकोण की आवश्यकता थी। चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में, राज्य को अब वह दृष्टिकोण और केंद्र सरकार का समर्थन दोनों प्राप्त है। मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन वाली सरकार की ताकत से, राज्य अभूतपूर्व विकास का गवाह बन रहा है। जैसा कि चंद्रबाबू गारू ने ठीक ही कहा है, इस अजेय गति को देखते हुए, मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ। 2047 तक, जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, यह सचमुच एक विकसित भारत होगा। उन्होंने कहा कि मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूँ कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। 21वीं सदी 140 करोड़ भारतीयों की होगी। पीएम ने कहा कि आज सड़क, बिजली, रेलवे, राजमार्ग और व्यापार से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है। इन पहलों से उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और लोगों का जीवन आसान होगा। इन परियोजनाओं से कुरनूल और आसपास के क्षेत्रों को बहुत लाभ होगा। मैं इन विकासों के लिए कुरनूल और पूरे राज्य के लोगों को बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि तेज विकास के बीच हमें अतीत की स्थिति को नहीं भूलना चाहिए। लगभग 11 साल पहले, जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब प्रति व्यक्ति बिजली की खपत औसतन 1000 यूनिट से भी कम थी। देश को अक्सर ब्लैकआउट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था, और हमारे कई गाँवों में बिजली का खंभा तक नहीं था। मोदी ने कहा कि आज दुनिया, भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है। इस सफलता का सबसे बड़ा आधार है, आत्मनिर्भर भारत का विजन। हमारा आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत का प्रमुख केंद्र बन रहा है। विकसित भारत के लक्ष्य को तेजी से प्राप्त करने के लिए, देश भर में मल्टीमॉडल बुनियादी ढाँचे का विकास किया जा रहा है। हमारा ध्यान गाँवों से शहरों और शहरों से बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर है।

आधे से ज्यादा मौजूदा मंत्रियों की कुर्सी खतरे में – भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, (एजेंसी)। गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल कैबिनेट विस्तार करने जा रहे हैं। बताया गया है कि राज्य को अब 10 नए मंत्री मिल सकते हैं। 17 अक्तूबर (शुक्रवार) को होने वाले इस कैबिनेट विस्तार को चुनावी तैयारी के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि नए कैबिनेट फेरबदल में आधे से ज्यादा मौजूदा मंत्रियों के पद जा सकते हैं। सरकार की तरफ से जारी रिलीज के मुताबिक, भूपेंद्र पटेल कैबिनेट का विस्तार शुक्रवार सुबह 11.30 बजे होगा। फिलहाल सरकार में मुख्यमंत्री समेत 17 मंत्री हैं। इनमें आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं, जबकि बाकी राज्य मंत्री के पद पर हैं। 182 सदस्यों वाली गुजरात विधानसभा में क्षमता से 15 फीसदी यानी कुल 27 मंत्री हो सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में ही गुजरात सरकार में राज्य मंत्री जगदीश विश्वर्मा भाजपा राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बने थे।

विदेश में छिपे भगोड़ों को निकालेगा सीबीआई का ग्लोबल ऑपरेशन सेंटर, 9 महीने में 189 रेड कॉर्नर नोटिस जारी

दुनिया के कई मुल्कों में छिपे बैठे भगोड़ों को पकड़ने के लिए सीबीआई ने श्ग्लोबल ऑपरेशन सेंटरश तैयार किया है। पिछले 9 महीने में 189 रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए गए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को श्भगोड़े अपराधियों के प्रत्यर्पणश पर आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। शाह ने कहा, हम भारत में भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस तो जरूर रखें, लेकिन भारत की सरहदों के बाहर बैठकर जो इसे चला रहे हैं, उनके लिए भी जीरो टॉलरेंस रखना, उन्हें कानून के

दायरे में लाने का प्रयास करना और इसके लिए एक सुनिश्चित तंत्र बनाना, यह जिम्मेदारी भी हमारी ही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, अपराध और अपराधी की चाल चाहे कितनी भी तेज क्यों न हो, न्याय की पहुंच उससे भी अधिक गतिमान होनी चाहिए। पीएम मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत भारत, सीमाओं की सुरक्षा के साथ–साथ रूल ऑफ लॉ की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए आगे बढ़ रहा है। भगोड़े चाहे आर्थिक अपराधी हों, साइबर अपराधी हों, आतंकवादी घटनाओं में लिप्त हों या संगठित अपराध नेटवर्क के हिस्सेदार हों, हर भगोड़े के साथ रुथलेस अप्रोच अपनाकर उन्हें भारतीय न्याय व्यवस्था के समक्ष खड़ा करने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। अब इसका समय आ गया है। सीबीआई हमारे यहां प्रत्यर्पण के लिए नामित एजेंसी है। इस जांच एजेंसी के सहयोग से हर राज्य को अपने यहां एक यूनिट खड़ी करनी चाहिए, जो राज्य से भागे हुए भगोड़ों को वापस लेने के लिए एक तंत्र स्थापित करे। साल 2018 में भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम लाया गया है। इससे सरकार को भगोड़ों की भारत में स्थित संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार मिला।

सीएम योगी ने कहा राम-सीता से जोड़ा यूपी-बिहार का संबंध

पटना, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बिहार दौर पर आ चुके हैं। पटना एयरपोर्ट पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। वह पूर्व सांसद रामकृपाल यादव के नामांकन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद दानापुर में उन्होंने चुनावी सभा को संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिहार के दानापुर विधान सभा क्षेत्र की जनता आस्था का सम्मान करने वाली एनडीए सरकार के साथ है। जैसे भगवान राम और मां जानकी का संबंध अटूट है. उन्होंने कहा कि कुछ वैसा ही संबंध उत्तर प्रदेश और बिहार का है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार का संबंध केवल एक संबंध नहीं है बल्कि एक साझी विरासत है। एक आत्मा का संबंध है, एक संस्कृति का संबंध है और एक संकल्प का भी संबंध है। यह संबंध उसी प्रकार से अटूट है जैसे भगवान राम और मां जानकी का संबंध अटूट है। उन्होंने महागठबंधन पर हमला बोला। कहा कि राजद और कांग्रेस में सिर्फ परिवार कल्याण है। हमारा परिवार आप सब लोग हैं। उत्तर प्रदेश में माफिया तो जहन्नुम की यात्रा पर जा चुके हैं। राजद के सहयोगी सपा वाले वहां पर इस अराजकता को फैलाते थे। आज उनकी क्या दुर्गति हो रही है? यह सब आप जानते हैं। योगी ने सीएम नीतीश कुमार के कामों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने कर दिखाया है। 2005 से पहले बिहार की क्या स्थिति थी वह सब आप जानते थे। दानापुर में कार्यक्रम के बाद सीएम योगी सहरसा रवाना हो गए। वहां भाजपा प्रत्याशी व निवर्तमान विधायक डॉ. आलोक रंजन के नामंकन कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां भी सीएम योगी जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रशासन ने मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। पूरे दानापुर क्षेत्र में चप्पे–चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है और ट्रैफिक नियंत्रण के लिए विशेष योजना बनाई गई है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर पटना और सहरसा में भाजपा कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखा जा रहा है।

राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बेहतरीन उदाहरण बताया

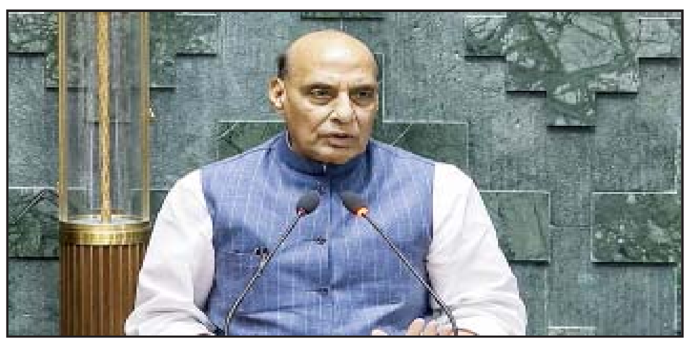

पुणे, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बेहतरीन उदाहरण बताया। पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के छठे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बेहतरीन उदाहरण है, क्योंकि इस अभियान के दौरान सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए गए ज्यादातर उपकरण स्वदेशी थे। अपने भाषण में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। शुरुआती दौर में यह मुश्किल था, क्योंकि हम पूरी व्यवस्था को बदलने की कोशिश कर रहे थे। आजादी के बाद से हम हथियारों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर थे। हमारे लिए विदेशों से रक्षा उपकरण खरीदना एक जरूरत बन गई थी और स्वदेशी उत्पादन लगभग ना के बराबर था। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने अब उस बाधा को तोड़ दिया है, जो आजादी के बाद से मौजूद थी। उन्होंने कहा, ष्हमने देश में हथियारों के निर्माण को जोरदार बढ़ावा दिया है। यह बिल्कुल भी आसान नहीं था, क्योंकि देश रक्षा खरीद के मामले में एक सहज स्थिति में पहुंच गया था। हम दूसरे देशों से हथियार खरीदने के आदी हो गए थे। राजनाथ सिंह ने पिछली कांग्रेस सरकार को घेरते हुए कहा कि कहा कि ना तो घरेलू स्तर पर हथियारों का उत्पादन करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति थी और न ही रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए कोई कानूनी ढांचा। देश के युवाओं में इस क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करने की प्रेरणा का भी अभाव था। दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में हमारी आत्मनिर्भरता का जीता– जागता सबूत है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों द्वारा प्रदर्शित वीरता को पूरी दुनिया ने देखा। खास बात यह है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेनाओं ने बड़ी मात्रा में भारत में बने उपकरणों का इस्तेमाल किया।

एक भी भगोड़ा बच नहीं पाएगा : अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को नई दिल्ली में ष्भगोड़ों का प्रत्यर्पणरू चुनौतियाँ और रणनीतियाँष विषय पर आयोजित सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) ने किया था। शाह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य वैश्विक अभियानों, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति को एक साथ लाना है। उन्होंने कहा कि आज, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, एक मजबूत भारत सुरक्षित सीमाओं के साथ–साथ कानून का शासन सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस सम्मेलन में, हम वैश्विक अभियानों, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति को एक साथ लाना सुनिश्चित करेंगे। अमित शाह ने न केवल देश के अंदर, बल्कि सीमा पार भी आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर जोर दिया। शाह ने इस बात पर जोर दिया कि गंभीर अपराध करने के बाद देश छोड़कर भागने वाले अपराधियों को वापस लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ष्हमें न केवल भारत में भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद के विरुद्ध, बल्कि सीमा पार बैठे अपराधियों के विरुद्ध भी शून्य सहनशीलता की नीति अपनानी होगी। वांछित भगोड़ों को वापस लाने और उन्हें भारतीय कानून व्यवस्था के अनुसार दंडित करने का रास्ता खोजना हमारी जिम्मेदारी है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि वित्तीय घोटालेबाजों, साइबर अपराधियों, आतंकवादियों और आपराधिक गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध षनिर्मम दृष्टिकोणष अपनाया जाएगा। शाह ने जोर देकर कहा कि हमें इन अपराधियों के मन में बैठे इस विश्वास को तोड़ना होगा कि भारतीय कानून हम तक नहीं पहुँच सकता... उस विश्वास को तोड़ना हमारी जिम्मेदारी है... हमें उस पारिस्थितिकी तंत्र को भी समाप्त करना होगा।

ट्रंप से डरे हुए हैं पीएम – राहुल गांधी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयान के बाद भारत की राजनीति में हलचल मच गई है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्ङ्गत्र पर पोस्ट करते हुए लिखा, ष्नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर देश के सम्मान का सौदा कर दिया। ट्रंप का कहना है कि उनकी नाराजगी और धमकियों से डरकर मोदी ने आश्वासन दिया कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। यह साफ है कि नरेंद्र मोदी कमजोर प्रधानमंत्री हैं और उनकी हरकतों ने देश की विदेश नीति को चौपट कर दिया है। रूस हमेशा भारत का विशेष सहयोगी रहा है। खुद के श्झप्पी वाले रिश्तेय सुधारने के लिए देश के रिश्ते खराब मत कीजिए। इसी मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रंप से डरे हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री को देश की विदेश नीति पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए और यह बताना चाहिए कि क्या भारत अब अमेरिका के दबाव में काम कर रहा है।

प्राकृतिक आपदाओं को रोकने के लिए पर्वतीय क्षेत्रों की तलहटी में 'मैंग्रोव' लगाए जाएं - ममता बनर्जी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक अनोखा सुझाव देते हुए उत्तर बंगाल के पर्वतीय इलाकों की तलहटी में 'मैंग्रोव' और खसखस के पौधे लगाने को कहा है ताकि नदियों के किनारों पर प्राकृतिक अवरोधक बनाए जा सके और भारी बारिश के दौरान होने वाली तबाही को रोका जा सके। बनर्जी ने सुंदरबन में गंगासागर का उदाहरण दिया जहां 'मैंग्रोव' (नदी मुहानों और समुद्र के किनारों पर पनपने वाली वनस्पति) चक्रवातों और बारिश के खिलाफ दीवार की तरह खड़े रहते हैं। उन्होंने कहा कि तटीय क्षेत्र में पांच करोड़ मैंग्रोव पौधे लगाए गए और इस कदम के अच्छे परिणाम मिले। उन्होंने बुधवार को एक प्रशासनिक बैठक में कहा, ''हमें प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सुंदरबन की तरह पर्वतीय क्षेत्रों और तलहटी में प्राकृतिक अवरोधक बनाने की जरूरत है। यहां कंक्रीट काम नहीं करेगा क्योंकि वे बढ़ते पानी और भूस्खलन के कारण छह महीने बाद ढह जाते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें इस बार–बार होने वाली समस्या का स्थायी समाधान चाहिए।'' विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इस टिप्पणी के लिए मुख्यमंत्री पर तुरंत कटाक्ष किया। अधिकारी 2020 में तृणमूल कांग्रेस से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुए थे। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''मैं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके ऐतिहासिक और क्रांतिकारी विचार – पहाड़ों में मैंग्रोव – के लिए भूगोल और वनस्पति विज्ञान के अगले नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकित करता हूं!!!'' अधिकारी ने बताया कि 'मैंग्रोव' एक विशेष प्रकार के ''खारे जल में पनपने वाली वनस्पति है'' है जो आमतौर पर समुद्र के पास तटीय क्षेत्रों में खारे और नमकयुक्त पानी में उगती हैं। उन्होंने कहा, ''मैंग्रोव वन या ज्वारीय वन प्रकृति की एक अद्वितीय ढाल हैं, जिनकी तटीय सुरक्षा, जैव विविधता के लिए आवास प्रदान करने और जलवायु परिवर्तन से निपटने में अतुलनीय भूमिका है। यह तटीय क्षेत्रों के लिए एक जीवंत रक्षा प्रणाली की तरह है।'' उन्होंने कहा, ''यह अनूठा पारिस्थितिकी तंत्र तटीय क्षेत्रों को घातक लहरों, तूफानों, चक्रवातों और अन्य समुद्री ।

संपादकीय

सामान्य पटाखे बनाम ग्रीन पटाखे

बारिश खत्म होते ही, ठंड की हल्की दस्तक के साथ प्रदूषण का अनचाहा आगमन भी हो चुका है। साल दर साल बीतते जा रहे हैं और प्रदूषण की समस्या से निजात ही नहीं मिल रहा है, क्योंकि इसकी जड़ों तक जाने की कोशिश ही नहीं हो रही है। केवल ऊपरी तौर पर नियम बनाकर प्रदूषण जैसी गंभीर और जटिल समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता, ये बात नीति नियंता भी अच्छे से जानते हैं। मगर शायद प्रदूषण दूर करना उनके लिए जीने–मरने का सवाल कभी रहा ही नहीं। उन्हें वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर काम करना है, तमाम सुविधा–संपन्न घरों में रहना है, छुट्टियों पर प्रदूषण रहित पर्यटक स्थलों पर वे जाते हैं और अगर बीमार पड़ें तो सात सितारा अस्पतालों में महंगा इलाज उनके लिए उपलब्ध है। लेकिन आम आदमी प्रदूषण की मार बारह महीने झेलता है, फिर भी समझ नहीं पाता कि उसे खुश करके आखिर में उसे ही धीरे–धीरे मारने का इंतजाम किया जा रहा है।दीपावली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने हरित पटाखों की बिक्री और उपयोग की जो इजाजत दी है, वो इसी धीमी मौत का एक और उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट को कम नुकसानदायक पटाखों को जलाने की मंजूरी इसलिए देनी पड़ी क्योंकि दीपावली अब रोशनी, रंगों और मिठास से ज्यादा उस हिंदुत्व का त्योहार बन चुका है, जिसे अपने प्रचार के लिए कानफोड़ू शोर की जरूरत पड़ती है। न जाने किस तरह बहुतेरे हिंदुओं के दिमाग में यह बात भर दी गई कि दीपावली पर पटाखे जलाने से रोकना धर्म का अपमान है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाजपा का इस मुहिम में बड़ा योगदान रहा। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया को पर्यावरण संरक्षण का ज्ञान बांटते हैं, लेकिन अपनी पार्टी के लोगों और समर्थकों को यह नहीं समझा सकते कि धर्म की राजनीति चलती रहेगी, कम से कम त्योहार को इसमें बख्श दें। अगर आज मोदी लोगों से अपील करें कि वे पटाखे न जलाएं, दीए, कंदील जलाकर, रंगोली सजाकर दीवाली मना लें, तो उनके अनुयायी खुशी–खुशी इस बात को मानेंगे। जब बालकनी में आकर थाली पीट सकते हैं, तो ये काम भी कर ही सकते हैं। मगर मोदी को भी ये डर है कि हिंदुत्व के नाम पर जिन लोगों को पूरी तरह गुमराह किया जा चुका है, वे इस बात को गलत तरीके से ले कर अपनी नाराजगी मोदी पर ही उतार सकते हैं। इसलिए भाजपा में अब पटाखों की नहीं, ग्रीन यानी हरित पटाखों की बात होती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट का आभार माना है कि उसने इन पटाखों के लिए मंजूरी दी।शीर्ष अदालत ने सिर्फ नीरी (नेशनल एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी है। जो केवल 18 से 21 अक्टूबर तक के लिए दी गई है। अदालत ने साफ किया कि इस अवधि के बाद किसी भी प्रकार के पटाखों की बिक्री या इस्तेमाल पर प्रतिबंध जारी रहेगा। अगर कोई विक्रेता या निर्माता इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश भी दिया गया है कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मिलकर विशेष निगरानी दल गठित करें। इन टीमों का काम यह सुनिश्चित करना होगा कि सिर्फ प्रमाणित ग्रीन पटाखों का ही निर्माण, बिक्री और उपयोग हो रहा है। अदालत ने पर्यावरणीय प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए पटाखे फोड़ने की समय सीमा सुबह 6 बजे से 8 बजे तक और शाम 8 बजे से 10 बजे तक तय की है। इन समय सीमाओं के बाहर किसी भी प्रकार के पटाखे फोड़ना प्रतिबंधित रहेगा।यह पूरा आदेश सुनने में प्रभावशाली लगता है, लेकिन जमीन पर इसका असर शून्य बराबर होने की संभावना है। क्योंकि अभी से दिल्ली–एनसीआर में जमकर पटाखे फोड़े जा रहे हैं। अवैध तरीकों से बिक्री होने की खबरें हैं और प्रदूषण भी खतरनाक स्तर तक बढ़ चुका है। पिछले साल भी ऐसा ही आलम था और लगातार कई सालों से यही होता आया है। इसलिए ग्रीन पटाखे दिल को खुश रखने के ख्याल से ज्यादा और कुछ मायने नहीं रखते। अघोषित तौर पर सब इस बात को जानते हैं कि ग्रीन पटाखों का लेबल लगाकर पारंपरिक पटाखे ही बेचे जाते हैं। क्योंकि लागत में ये सस्ते पड़ते हैं। विशेष निगरानी दल बनाने से भी कुछ नहीं होगा, क्योंकि दीपावली के सामान से अटे पड़े बाजार में अब इस बात की जांच बेहद मुश्किल होगी कि कौन से सही में ग्रीन पटाखे हैं और कौन से नहीं।

राहुल गांधी इंडिया गठबंधन को संभाल क्यों नहीं पा रहे हैं?

संतोष

लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद सहयोगी दलों के समर्थन के बल पर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री तो बन गए लेकिन भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में पहली बार विपक्षी गठबंधन को इतनी ज्यादा सीटें दिलाने का श्रेय लेकर कांग्रेस ने राहुल गांधी को सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित करने का प्रयास किया। कुछ हद तक कांग्रेस को अपने इस अभियान में कामयाबी मिलती भी दिखाई दी। वोट चोरी का अभियान चला कर और बिहार में वोटर अधिकार यात्रा निकाल कर राहुल गांधी अपने आपको विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेता के तौर पर स्थापित करने में थोड़े बहुत कामयाब होते भी दिखाई दिए। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमिलनाडु के वर्तमान मुख्यमंत्री एवं डीएमके सुप्रीमो स्टालिन तक से उनके व्यक्तिगत संबंध मजबूत होते नजर आए। जम्मू कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव जीतने में राहुल गांधी और नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला की व्यक्तिगत केमिस्ट्री का जबरदस्त योगदान माना जाता है। बिहार के

पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने तो खुलकर राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार तक बता दिया। लेकिन इन सबके बावजूद अचानक देश की राजनीति तेजी से बदलती हुई नजर आने लगी है। जम्मू कश्मीर में राज्यसभा सीट और विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस आमने–सामने आ गए है। जम्मू कश्मीर से राज्यसभा सांसदों के लिए होने वाले चुनाव में उमर अब्दुल्ला की पार्टी ने तीनों सेफ सीट पर अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और कांग्रेस को जो चौथी सीट ऑफर की है, उसे जीतना बहुत मुश्किल है। कांग्रेस पहले से ही इसे लेकर अपने सहयोगी दल से नाराज चल रही है वहीं अब विधानसभा की जिन 2 सीटों पर उपचुनाव होना है, उसे लेकर भी मामला फंसता हुआ ही नजर आ रहा है। राज्य में विधानसभा की 2 सीटों–बडगाम और नगरोटा में 11 नवंबर को चुनाव होना है। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने उमर अब्दुल्ला की पार्टी पर गठबंधन के सिद्धांतों का अनादर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह राज्यसभा की एक सेफ सीट देने के अपने वादे से मुकर गई। कांग्रेस ने गठबंधन धर्म की याद दिलाते हुए सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि या तो नेशनल कांफ्रेंस उन्हें विधानसभा की एक सीट दे या फिर कांग्रेस दोनों ही सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार देगी। महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव के समय से ही शुरू हुई खटास कम होने का नाम नहीं ले रही है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद मोदी सरकार द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर और दुनिया भर में भेजे गए सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को लेकर एनसीपी और कांग्रेस के सुर अलग–अलग तो नजर आए ही। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के जेल जाने के बाद इस्तीफे की बाध्यता वाले बिल पर गठित की जाने वाली जेपीसी में शामिल नहीं होने को लेकर भी कांग्रेस इंडिया गठबंधन में शामिल सहयोगी दलों को अपने साथ ला पाने में नाकामयाब होती नजर आ रही है। वहीं बिहार का मामला तो राहुल गांधी के नेतृत्व की स्वीकार्यता को लेकर सबसे बड़ा झटका साबित होता हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ आरजेडी है जिसके नेता तेजस्वी यादव ने खुल कर राहुल गांधी की प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का समर्थन कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ राहुल गांधी है जो लगातार पूछे जाने के बावजूद भी तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं कर रहे हैं। जबकि राजनीतिक सच्चाई तो यही है कि बिहार में विपक्षी गठबंधन में आरजेडी सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। कांग्रेस और आरजेडी में सीटों के बंटवारे को लेकर भी घमासान मचा हुआ है। सहयोगी दलों के साथ कांग्रेस की यह खींचतान और महत्वपूर्ण मौकों पर राहुल गांधी की गैरमौजूदगी उनके नेतृत्व पर ही सवालिया निशान लगाती नजर आती है। पता नहीं राहुल गांधी इस तथ्य को समझ पा रहे हैं या नहीं और इससे भी बड़ा सवाल यह कि आखिर राहुल गांधी को इस तरह की सलाह कौन देता है कि उन्हें दिल्ली में होने के बावजूद तेजस्वी यादव से मुलाकात नहीं करनी चाहिए। केसी वेणुगोपाल और तेजस्वी यादव की जगह पर अगर राहुल सीधे तेजस्वी के साथ बैठकर बात करते तो शायद मामला इतना उलझता नहीं।

विश्व खाद्य दिवस – हर थाली में अन्न, हर जीवन में गरिमा

अरुण

भारत की नीति दिशाकृहरित क्रांति से लेकर मिशन पोषण 2.0 तककृयह दर्शाती है कि उद्देश्य केवल भूख मिटाना नहीं, बल्कि हर नागरिक के थाल में संतुलित, पौष्टिक और सम्मानजनक भोजन सुनिश्चित करना है। बेहतर भविष्य की राह तभी खुलेगी जब खाद्यान्न का अधिकार नारे से निकलकर नीति और व्यवहार का हिस्सा बने। भुखमरी और खाद्य सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने, हर साल 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1945 में स्थापित संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की वर्षगांठ पर आयोजित होता है और 1981 से इसे विश्व स्तर पर मनाया जा रहा है। वर्ष 2025 की थीम श्बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए खाद्यान्न का अधिकारश है। गत वर्ष की थीम भोजन को अनाज, फल, सब्जियां, दालों , प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों के समग्र रूप में देखती थी, जबकि इस वर्ष का फोकस श्खाद्यान्नश पर हैकृमानव जीवन के मूलभूत आहार पर ध्यान देकर स्थायी और पौष्टिक समाज की नींव रखना। यह संकेत देती है कि सरकारें अनाज वितरण, भंडारण और सब्सिडी पर विशेष ध्यान देंगी, ताकि हर नागरिक तक अन्न की पहुंच सुनिश्चित हो।भारत की भोजन परंपरा आदि काल से समृद्ध रही है, जहां भोजन को केवल पेट भरने का नहीं, जीवन संतुलन का आधार माना गया है। तुलसीदासकृत रामचरितमानस में राम–सीता विवाह के अवसर पर परोसे गए विविधा व्यंजनों की प्रशंसा मिलती हैकृश्चारि भांति भोजन बिधि गाई, एक–एक बिधि बरनि न जाईध्श आयुर्वेद में भी भोजन के छह रसोंकृ मधुर, खट्टा, लवण, तीखा, कड़वा और कसैलाकृ को शरीर के पोषण और संतुलन के लिए आवश्यक बताया गया है। गांधीजी ने आरोग्य कुंजी में लिखा कि–शाकाहारी व्यक्ति को दिन में तीन बार संतुलित आहारकृदूध, अनाज, हरी सब्जियां, घी, गुड़ और फल सहित लेना चाहिए। उन्होंने बौद्धिक जीवन वाले व्यक्ति के लिए प्रतिदिन लगभग 1300 ग्राम भोजन सुझाया।भारत खाद्य सुरक्षा के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है, फिर भी भूख और कुपोषण चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। वैश्विक भूख सूचकांक 2025 में भारत 127 देशों में 107वें स्थान पर है। संयुक्त राष्ट्र संघ का दावा है कि हिंसक संघर्ष, जलवायु परिवर्तन और आर्थिक असमानता बड़ी आबादी को भूख से पीड़ित कर रहे हैं जबकि ऐतिहासिक साक्ष्य बताते हैं कि औपनिवेशिक दौर में भी भोजन की कमी थी। एफएओ के अनुसार, 2021–23 में भारत की 13.7 प्रतिशत आबादी कुपोषित थी, जो 16.6प्रतिशत (2020–22) से कम है, फिर भी विशाल जनसंख्या और असमानता के संदर्भ में यह चिंताजनक है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार 35.5 प्रतिशत बच्चे बौनेपन, 32.1प्रतिशत कम वजन और 7.7प्रतिशत गंभीर रूप से कम वजन की समस्या से ग्रस्त हैं। पोषण ट्रैकर (जून 2025) भी इन तथ्यों की पुष्टि करता है । ये आंकड़े केवल भोजन की नहीं, बल्कि आहार विविधता की कमी, मातृ–शिशु देखभाल की अपर्याप्तता, महिलाओं की निम्न स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और स्वच्छता ढांचे की खामियों को भी उजागर करते हैं।भारत में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में प्रोटीन, विटामिन तथा खनिज व कैल्शियम की कमी व्यापक रूप से पाई जाती है, जिसके कारण वे कमजोर मांसपेशियों, हड्डी के रोग और रक्ताल्पता आदि से पीड़ित रहते हैं। भोजन में इन आवश्यक तत्वों की कमी स्वास्थ्य के साथ–साथ कार्यक्षमता पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। सरकार इन आवश्यक तत्वों की भरपाई के लिए प्राकृतिक आहार के बजाय रासायनिक पूरकों पर निर्भर होती जा रही है, जो स्थायी उपाय नहीं है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (1947) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (2013) ने पिछले एक दशक में अपना दायरा बढ़ाया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज मिला, जिससे कठिन समय में न्यूनतम खाद्यान्न सुनिश्चित हुआ। फिर भी उच्च ध छिपी बेरोजगारी, स्थिर ग्रामीण मजदूरी और बढ़ती खाद्य कीमतों के कारण खाद्य सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित नहीं हो सकी है। भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति की है। हरित क्रांति ने देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनायाय 1950 में 5 करोड़ टन उत्पादन था, जो आज लगभग 33 करोड़ टन तक पहुंच गया है। प्रति व्यक्ति प्रतिदिन उपलब्धा खाद्यान्न लगभग 510 ग्राम है। श्वेत क्रांति ने भारत को विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाया और प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता 450 ग्राम प्रतिदिन तक पहुंच गई। नीली क्रांति के तहत मछली उत्पादन 7 लाख टन से बढ़कर 175 लाख टन हुआ। 2023 में अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष घोषित होने के बाद भारत ने श्श्री अन्न योजनाश शुरू की, जो पौष्टिक और जलवायु–सहिष्णु अनाजों के उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा देती है। खाद्यान्न का अधिकार केवल उपलब्धता का नहीं, बल्कि सतत कृषि और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलन का भी प्रश्न है। भारत की खाद्य प्रणाली में महिलाओं की भूमिका निर्णायक रही हैय खेत से रसोई तक वे पोषण सुरक्षा की वास्तविक वाहक हैं। उनका सशक्तिकरण ही खाद्य सुरक्षा और पोषण सुधार की स्थायी नींव है। महिला और बाल विकास मंत्रालय की प्रमुख योजना मिशन पोषण 2.0 ने 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरी बालिकाओं को पोषण सहायता प्रदान कर भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत

किया है। रुपये 35153 करोड़ के प्रावधान वाली यह योजना विश्व के सबसे बड़े बाल्यावस्था विकास कार्यक्रमों में से एक है। हालांकि भारत की खाद्य नीति अभी भी मुख्यतरू अनाज वितरण पर केंद्रित है, जिससे संतुलित पोषण सीमित रह गया है। भोजन का अधिकार अभियान और कार्यकर्ता लंबे समय से पीडीएस में दाल, तेल, बाजरा और अन्य पोषक तत्व शामिल करने की मांग कर रहे हैं। देश की 55फीसदी आबादी पौष्टिक आहार का खर्च नहीं उठा पा रही है। इसलिए खाद्य सुरक्षा को मजदूरी, रोजगार और मूल्य स्थिरता से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। मनरेगा और अन्य रोजगार योजनाओं में मजदूरी दरें मुद्रास्फीति के अनुसार तय होनी चाहिए, ताकि लोग पोषक भोजन वहन कर सकें। खाद्य सुरक्षा तभी संभव है जब गांधीजी का सपनाकृहर हाथ को काम और हर पेट को अन्नकृवास्तव में साकार किया जाए। भारत की नीति दिशाकृहरित क्रांति से लेकर मिशन पोषण 2.0 तककृ यह दर्शाती है कि उद्देश्य केवल भूख मिटाना नहीं, बल्कि हर नागरिक के थाल में संतुलित, पौष्टिक और सम्मानजनक भोजन सुनिश्चित करना है। बेहतर भविष्य की राह तभी खुलेगी जब खाद्यान्न का अधिकार नारे से निकलकर नीति और व्यवहार का हिस्सा बनेकृताकि हर थाली में अन्न और हर जीवन में गरिमा सुनिश्चित हो। भविष्य का भारत तभी सशक्त होगा, जब हर बच्चा भूख नहीं, आशा लेकर सोएगा।

थोपे गए सन्नाटे का नाम शांति

श्रुति व्यास

शांति, शांति तब तक ही रहती है जब तक वह स्वीकार्य है। जैसे ही सत्ता भारी पड़ने लगती हैकृप्रभावशाली, स्वार्थी और आत्ममुग्धकृशांति दरकने लगती है, टूटने लगती है। बेशक, शुरुआत के लिए यह एक उदास वाक्य है, लेकिन मौजूदा समय की सच्चाई यही है। पश्चिम एशिया में जो शांति आई है, वह दो वर्षों की लगातार बमबारी के बाद आई है, ऐसे वर्ष जिन्होंने एक पीढ़ी को मिटा दिया और दूसरी को अपंग बना दिया। क्योंकि यह शांति भी पहली बार नहीं आई। कई बार पहले भी आई है, युद्धविराम के वस्त्रों में, कूटनीतिक भाषा में सजी–संवरी, और हर बार बिखर गई। इसलिए यह नई शांति आरंभ से ज्यादा मरीचिका लगती है, एक क्षितिज जिसे हम लगातार नापते हैं, पर पहुँच नहीं पाते। और सच्चाई यह है कि यह शांति बनाई नहीं गई, मनवाई गई हैकृअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक दबाव और धमकियों से। यह मेल–मिलाप नहीं, प्रबंध–जुगाड़ है। एक शांति जो गले नहीं लगाई गई, थोप दी गई। इस पल को समझने का एक ही तरीका वही सिद्धांत जो आज की जनलुभावन और वैचारिक रूप से खोखली दुनिया को अभी भी समझा सकता है। यथार्थवादी हमेशा कहते आए हैंकृयुद्ध के बाद की शांति नैतिक नहीं होती, रणनीतिक होती है। शांति वहीं टिकती है जहाँ शक्ति संतुलित रहती हैय जहाँ कोई पक्ष इतना ताकतवर नहीं कि दूसरे को कुचल दे। युद्ध मेल–मिलाप से नहीं, थकावट से खत्म होते हैं। इस दृष्टि से, शांति एक ठहराव है, समाधान नहींकृ नकारात्मक शांति, यानी बस खुले युद्ध का अभाव। शीतयुद्ध की शांति भी यही थीकृअमेरिका और सोवियत संघ के बीच संतुलित भय का संतुलन। दुनिया शांत दिखती थी, पर सुरक्षित नहीं थी। उसी तर्क से देखें तो ट्रंप की यह शांति पूरी तरह फिट बैठती है, थकावट की उपज, समझ की नहींय दबाव की देन, संवाद की नहीं। यह स्थिरता नहीं, सन्नाटा सुरक्षित करती है। और फिर आता है दृश्य का यथार्थवाद, जहाँ शांति अब विचार नहीं, प्रदर्शन है। इतिहास जब इस दौर को पढ़ेगा, तो पाएगा कि यह यथार्थवाद का नया संस्करण थाकृजो आदर्श या शक्ति पर नहीं, बल्कि ऑप्टिक्स पर टिका था। एक ऐसी कूटनीति जो ह्म्द्गद्गद्यह्य और द्दह्म्ड्डद्व के लिए बनाई गई। पश्चिम एशिया ने पहले भी कई बार ऐसी भोरें देखी हैं। हर दशक अपनी नई सुबह लेकर आता है, पहले उसका उत्सव होता है, फिर विश्वासघात। 1978 के कैंप डेविड समझौते को ऐतिहासिक सफलता कहा गया थाकृअमेरिकी राष्ट्रपति ने एक ही मेज पर मिस्र और इजराइल के नेताओं को बैठाया था। अनवर सादात और मेनाखेम बेगिन ने हाथ मिलाया, नोबेल शांति पुरस्कार जीता, और सादात ने कुछ ही साल बाद जान गंवाई। मिस्र को अमेरिकी सहायता और कूटनीतिक प्रतिष्ठा मिली, पर अरब जगत में अपना स्थान खो दिया। पंद्रह साल बाद आए ओस्लो समझौतेकृव्हाइट हाउस के लॉन पर, कैमरों की रोशनी में, यित्जाक राबिन और यासिर अराफात मुस्कुराते हुए, बीच में बिल क्लिंटन इतिहास के गवाह बनकर। तालियाँ बजीं, नोबेल पुरस्कार फिर मिला, लेकिन शांति टिक नहीं पाई। राबिन की हत्या हुई, ओस्लो दूसरी इंतिफादा में बदल गया, दुनिया ने एक बार फिर सीखा कि हस्ताक्षर गोलियों से नहीं बचते। पश्चिम एशिया में शांति अक्सर स्थायित्व से पहले पुरस्कार जीतती है। हर युद्धविराम एक नाटक की तरह शुरू होता हैकृ उदात्त, प्रसारित, पर अल्पकालिक। इसीलिए आज की नई शांति भी इतिहास बनेगी नहींकृबस इतिहास दोहराएगी, एक और झिलमिलाता क्षितिज, जिसे छूना असंभव है। और इस बार भी सब कुछ उसी पैटर्न पर हैकृसिर्फ एक नए युग की रोशनी में, जहाँ दृश्य ही संदेश है। डोनाल्ड ट्रंप के लिए तो यह सब एक अभियान हैकृनोबेल पुरस्कार की ओर उनका आत्मघोषित मार्च। उन्होंने राजनीतिक और आर्थिक भाषा में स्पष्ट कर दिया था कि इजराइल का युद्ध बहुत लंबा चल चुका है। हमास से उनका संदेश और कठोर थाकृसंधि मानो, नहीं तो सामना करो   यह कूटनीति नहीं, अल्टीमेटम थी। 13 अक्टूबर को राष्ट्रपति ट्रंप इजराइल पहुँचे, ठीक उसी समय जब गाजा से अंतिम बंधक छोड़े जा रहे थे। टाइमिंग इतनी सटीक थी कि स्वाभाविक नहीं लगती। कनेस्सेट में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने उनका स्वागत किया, और ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ तथा दामाद जैरेड कुशनर के लिए तालियाँ गूँज उठीं। दर्शक भी तयशुदा भूमिका में थे, लाल टोपी पहने, जिन पर लिखा था। स्पीकर ने घोषणा की, अगले साल के नोबेल के सबसे योग्य उम्मीदवार। और संसद बहस में नहीं, भक्ति में बदल गई। सांसदों ने एक स्वर में नाम पुकाराकृट्रंप, ट्रंप, ट्रंप। अपने भाषण में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि यह नया मध्य पूर्व हैकृएक ऐतिहासिक सवेरा। वही वाक्य, वही लहजा, जो उन्होंने पहली बार अब्राहम समझौतों के दौरान कहा था। यह किसी युद्ध का अंत नहीं, बल्कि उसके कथाकार का राज्याभिषेक थाकृइतिहास को लाइव रियलिटी शो में बदलता हुआ क्षण। इजराइल में तालियों की बौछार के बाद ट्रंप मिस्र पहुँचेकृशर्म अल–शेख में आयोजित पीस इन द मिडिल ईस्ट शिखर सम्मेलन में केंद्र मंच पर। वही पुराना रिसॉर्ट, जहाँ कूटनीति अक्सर नाटक जैसी लगती है। पीछे एक चुनावी पोस्टर की तरह। हाथ मिलाना, हस्ताक्षर करना, फोटो खिंचवानाकृसब था, सिवाय ईमानदारी के। ट्रंप ने भाषण दियाकृ स्वयं की प्रशंसा से भरा, नीति से खाली। यह शांति का प्रदर्शन था, ऊपरी चमक में सुंदर, गहराई में शून्य। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी अपनी भूमिका निभाईकृट्रंप को शांति का व्यक्ति बताया, दूरदर्शी नेतृत्व का गुणगान किया, यहाँ तक कि पाकिस्तान द्वारा उन्हें नोबेल के लिए नामित करने का दावा किया। यह प्रशंसा नहीं, प्रहसन था, कूटनीति तालियों में सिमट गई थी। और जब कन्फेटी हवा में उड़ी और शैंपेन की खनक गूँजी, तो पीछे बस तमाशा बचाकृन कोई रोडमैप, न स्पष्टता, न वह व्यावहारिकता जो भाषण को जमीन पर उतारती है। ट्रंप को फर्क नहीं पड़ा। उन्होंने तुरंत अगला अंक लिखना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि अब वे नेतन्याहू सरकार को अपनी शांति बिगाड़ने नहीं देंगे। कनेस्सेट में उन्होंने नेतन्याहू की खुलकर तारीफ की, यहाँ तक कि इजराइल के राष्ट्रपति आइजैक हजोर्ग से मजाक में कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार मामलों से माफ कर देना चाहिए।

मोदी का हनुमान क्षण – बाधाओं से भरी दुनिया में भारत की लंबी छलांग

हरदीप एस. पुरी

जब पूरे भारत में दीप जलते हैं, तो रामायण का एक अमर दृश्य आज के समय से संवाद करता है। हनुमान जी अपने बल पर संदेह करते हुए सागर के किनारे खड़े हैं, जब तक कि जाम्बवंत उन्हें यह याद नहीं दिलाते कि वह ताकत तो पहले से ही उनके भीतर है। उसके बाद जो छलांग लगती है, वह कोई चमत्कार नहीं बल्कि आत्मविश्वास का परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यही आत्मविश्वास भारत की अर्थव्यवस्था में जगाने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि भारत अपनी भीतरी शक्ति के सहारे वैश्विक चुनौतियों को पार कर सके। जैसे–जैसे दुनिया नई वीजा बाधाओं और शुल्कों के साथ सिमट रही है, तब मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को दुनिया के सामने ला रहा है। भारत विपरीत परिस्थितियों को आगे बढ़ने की ताकत में बदल रहा है। हाल के महीनों में, अमेरिका ने नए एच–1बी वीजा आवेदनों पर 1,00,000 डॉलर की फीस और ब्रांडेड व पेटेंट वाली दवाओं के आयात पर 100त्न शुल्क लगाया है। इन कदमों को रोजगार सुरक्षा के नाम पर लिया गया बताया गया, लेकिन इसके पीछे एक गहरी चिंता छिपी है। यह है विकसित देशों में बढ़ता संरक्षणवाद और जनसंख्या से जुड़ी असुरक्षा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने इसका जवाब तीन ऐसे स्तंभों को मजबूत बनाकर दिया है, जिन्हें कोई भी शुल्क प्रभावित नहीं कर सकता– पैमाना (स्केल), कौशल (स्किल) और आत्मनिर्भरता (सेल्फ रिलायंस)। दुनिया से भारत का अंतर बहुत साफ दिखाई देता है। चीन की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। वहां की औसत आयु अब 40 साल से ज्यादा हो गई है, जबकि भारत में यह 29 साल से कम है। हमारे दो–तिहाई लोग 35 साल से कम उम्र के हैं। इस युवा ऊर्जा को जब कौशल, शिक्षा और उद्यमिता के जरिए सही दिशा दी जाती है तो वो भारत को विश्व अर्थव्यवस्था का विकास इंजन बनाती है। जब वैश्विक संस्थाएं बताती हैं कि पिछले साल दुनिया की कुल आर्थिक वृद्धि में भारत का योगदान 16त्न से ज्यादा था, तो यह कोई नारा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक के सुधार, निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण का परिणाम है। हाल के आंकड़े इस रफ्तार को और पुख्ता करते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.8त्न किया है। इसके पीछे कारण बताए गए हैं– मजबूत घरेलू मांग, स्थिर निवेश प्रवाह और अच्छे मानसून की उम्मीद। सितंबर में जीएसटी संग्रह 1.89 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह लगातार नौवां महीना है जब संग्रह 1.8 लाख करोड़ रु. से ज्यादा रहा। यह दर्शाता है कि देश में खपत बढ़ रही है और टैक्स का दायरा भी फैल रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 11 महीनों के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त है। वहीं जून तिमाही में विदेशी धन प्रेषण 33.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले साल की तुलना में काफी अधिक है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 57.7 और सर्विस सेक्टर पीएमआई 60.9 पर स्थिर रहा, जो यह फिर साबित करता है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह सकारात्मक रुझान बाजारों और सड़कों दोनों पर दिखाई दे रहा है। इस दशहरा सीजन में खुदरा और ई–कॉमर्स बिक्री अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। उद्योग संगठनों जैसे कैट और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अनुसार बिक्री 3.7 लाख करोड़ रुपये को पार कर गई, जो पिछले साल से लगभग 15त्न ज्यादा है। सिर्फ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर ही त्योहारों के पहले पंद्रह दिनों में 90,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार हुआ। सबसे ज्यादा मांग ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सोना और कपड़ों में देखी गई। अब उम्मीद है कि दीवाली इस बार सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ देगी, जो न केवल उपभोक्ता विश्वास को दिखाता है, बल्कि सरकार के औपचारिक ऋण, डिजिटल भुगतान और ग्रामीण क्रय शक्ति बढ़ाने के लगातार प्रयासों की सफलता को भी दर्शाता है। भारत की आर्थिक नींव अब मजबूत हो चुकी है। पिछले दस वर्षों में भारत की जीडीपी लगभग दोगुनी हो गई है और अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। जल्द ही जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद है। विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर से अधिक है। मुद्रास्फीति नियंत्रित है, और वित्तीय अनुशासन के साथ सरकार ने रिकॉर्ड सार्वजनिक पूंजीगत निवेश किया है। वित्त वर्ष 2024–25 में, भारत का वस्तुओं और सेवाओं का समग्र निर्यात लगभग 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि अकेले व्यापारिक निर्यात लगभग 437 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता अब 220 गीगावॉट से अधिक हो गई है। ये आंकड़े एक ही कहानी कहते हैं– एक ऐसे देश की, जो कभी नाजुक था, और अब एक मजबूत राष्ट्र बन गया है। ऐसे नेतृत्व में, जो दूरदृष्टि और क्रियान्वयन दोनों को साथ लेकर चलता है। यह दुखद सच्चाई है कि प्रधानमंत्री मोदी की आत्मनिर्भर भारत की सोच को कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। वे अब भी इसे बीसवीं सदी की पुरानी सोच से देख रहे हैं। आत्मनिर्भरता का मतलब अलग–थलग रहना नहीं है। आत्मनिर्भर भारत का असली अर्थ है– अपनी शक्ति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना। यह वह ताकत है जो भारत को बराबरी के आधार पर वैश्विक स्तर पर भागीदारी करने की क्षमता देती है। इसका उद्देश्य है– भारत में बनाना, लेकिन दुनिया के लिए अवसरों को विकेन्द्रित करना, ताकि मूल्य उन तक पहुंचे जो उसे बनाते हैं और वैश्विक बाजारों में समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करना। मोबाइल फोन, रक्षा उपकरण, चिकित्सा यंत्रों से लेकर सौर मॉड्यूल तक– उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने भारत में निवेश, रोजगार और निर्यात तीनों को तेजी से बढ़ावा दिया है। 50, 000 करोड़ की लागत से अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन, हमारे अनुसंधान और विकास तंत्र को नई ऊर्जा देने वाला कदम है। स्टार्टअप्स के लिए दूसरा फंड–ऑफ–फंड्स और पीएलआई योजनाओं का विस्तार भारत की तकनीकी नींव को और गहरा बनाएगा। यही है रणनीतिक स्वतंत्रता के रूप में आत्मनिर्भर भारत, जो आत्मविश्वास पर आधारित नीतियों के जरिए साकार और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से और भी मजबूत बनता है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत ने दुनिया का सबसे समावेशी डिजिटल सार्वजनिक ढांचा तैयार किया है।

एलडीए ने गांवों में ड्रोन से खोज निकाले 3,232 अवैध निर्माण, 352 गांवों में किया जा रहा सर्वे

लखनऊ, (संवाददाता)। एलडीए के इंजीनियरों ने बिल्डरों से सांठगांठ कर जो अवैध निर्माण और प्लॉटिंग छुपा रखे थे, उन्हें ड्रोन के जरिये खोज निकाला गया है। एलडीए वीसी की पहल पर पिछले छह महीने में ड्रोन सर्वे के जरिये 3,232 अवैध निर्माण चिह्नित किए गए हैं। इनमें से 470 को ध्वस्त किया गया और 830 को सील किया गया है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि अवैध निर्माणों का पता लगाने के लिए एलडीए के अंतर्गत आने वाले 352 गांवों में ड्रोन सर्वे कराया जा रहा है, जिसमें 181 गांवों का सर्वे पूरा हो चुका है। इन गांवों में 3,232 अवैध निर्माण पाए गए हैं। इनमें अवैध प्लॉटिंग कर बसाई जा रहीं कॉलोनियां, कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स और बहुमंजिला इमारतें हैं। सर्वे के बाद संबंधित इलाके के इंजीनियर से भी रिपोर्ट ली जाती है। इससे यह भी पता चल जाता है कि इंजीनियर ने अवैध निर्माण को छुपाया था या नहीं। जो अवैध निर्माण सामने आए हैं उन्हें सील और ध्वस्त किया जा रहा है। आवासीय जमीन पर पूरा कॉमर्शियल निर्माण नहीं होगा वैधरू एलडीए वीसी ने बताया कि नई नीति में आवासीय जमीन पर एक सीमा तक ही कॉमर्शियल निर्माण की अनुमति है। पूरी जमीन पर कॉमर्शियल निर्माण नहीं किया जा सकता। अलीगंज सेक्टर के, आई, जे, संगम चौराहा के पास, केंद्रीय भवन के पास और चंद्रलोक कॉलोनी, मंदिर मार्ग महानगर आवासीय पर व्यावसायिक निर्माण कराए जाने की शिकायतें हैं। इनकी जांच होगी और जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी होगी। नई नीति में कुछ हद तक वैध हो सकते हैं अवैध निर्माण रू एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि नई भवन निर्माण उपविधि में अवैध निर्माणों को भी एक तय सीमा तक वैध करने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए निर्माण कराने वाले को एलडीए से शमन मानचित्र पास कराना होगा। उसके लिए तय फीस जमा करनी होगी। जो लोग शमन मानचित्र पास नहीं कराएंगे उनके निर्माण ध्वस्त किए जाएंगे। नई नीति आने के बाद अब काफी लोगों ने शमन मानचित्र पास कराए हैं। इस साल शमन मानचित्र से 42 करोड़ रुपये शुल्क जमा हुआ है। मार्च तक 300 करोड़ शुल्क जमा कराने का लक्ष्य है।

यूपी डीजीपी ने जारी किया आदेशय छठ तक रहेगा लागू

लखनऊ, (संवाददाता)। डीजीपी राजीव कृष्ण ने दीपावली एवं छठ पर्व के दृष्टिगत पुलिसकर्मियों की छुट्टियां निरस्त कर दी हैं। यह आदेश बृहस्पतिवार से आगामी 28 अक्तूबर तक प्रभावी रहेगा, जिसके दायरे में सभी रैंक के पुलिसकर्मी हैं। केवल विशेष परिस्थितियों में उच्चाधिकारियों की अनुमति पर ही अवकाश प्रदान किया जा सकेगा। डीजीपी ने बुधवार को इस नाते आदेश जारी कर दिया। सरकार ने बेसिक शिक्षा विभाग को बड़ी राहत दी है। मिड–डे मील व बच्चों की उपस्थिति संबंधी प्रोजेक्ट को सीएम डैशबोर्ड पर जिला स्तरीय रैंकिंग से हटा दिया गया है। हालांकि, विभागीय रैंकिंग में यह प्रोजेक्ट शामिल रहेगा। सीएम के विशेष सचिव नवनीत सिंह चहल की ओर से बेसिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव को पत्र भेजकर इसकी जानकारी दी गई है। इसमें उन्होंने कहा कि विभाग के अनुरोध पर यह निर्णय लिया गया है। बता दें, मिड–डे मील का हर दिन का अपडेट पोर्टल पर किया जा रहा था जबकि हाल ही में बच्चों की उपस्थिति को भी सीएम डैशबोर्ड पर प्रोजेक्ट के रूप में जोड़ दिया गया था। शिक्षकों का कहना है कि इससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी क्योंकि कई बार विभिन्न कारण से डाटा न अपडेट होने से विभाग कार्रवाई करता था लेकिन वे सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं होते थे। इससे अब काफी राहत मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

किसी संस्था से नहीं अपने काम से पहचान बनाओ – प्रो. जेपी पांडेय

लखनऊ, (संवाददाता)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने छात्रों को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरणा लेने की सीख दी। कहा कि डॉ. कलाम जितने बड़े थे, उतने ही सरल और विनम्र भी थे। वे अक्सर कहा करते थे कि किसी संस्था से नहीं अपने काम से पहचान बनाओ। उनके विजन और आइडिया ने देश को बड़ा मुकाम दिया। वे इनोवेशन हब व कलाम केंद्र की ओर से बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की

जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। बीटेक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए आइडिया प्रतियोगिता हुई। छात्रों को 20 टीमों में बांटकर उद्योगों से जुड़ी समस्या दी गई। उन्होंने इनका समाधान आइडिया और नवाचार के जरिये दिया। कार्यक्रम में वित्त अधिकारी केशव सिंह, आईईटी निदेशक प्रो. विनीत कंसल, डीन इनोवेशन प्रो. बीएन मिश्रा, एसोसिएट डीन इनोवेशन डॉ. अनुज कुमार शर्मा इनोवेशन हब के हेड महीप सिंह, मैनेजर वंदना शर्मा आदि उपस्थित थे।

मदरसों के बच्चों की नई उड़ान, अग्नि मिसाइल से सौर मंडल तक

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत रत्न व पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर गोमतीनगर स्थित मदरसा दारुल उलूम वारसिया में बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। विद्यार्थियों ने अग्नि मिसाइल, सौरमंडल और फेफड़ों की कार्यप्रणाली समेत कई मॉडल प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि मदरसों में अब बदलाव की नई लहर है। प्रदर्शनी व संगोष्ठी में 20 मदरसों के सैकड़ों छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मौके पर संयुक्त निदेशक आरपी सिंह, रजिस्ट्रार अंजना सिरोही, डिप्टी रजिस्ट्रार बालेंदु कुमार द्विवेदी और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी पवन कुमार सिंह, मदरसा दारुल उलूम वारसिया के प्रबंधक शरीफुल हसन मौजूद रहे। मौके पर डॉ. कलाम की जीवनी पर हुई भाषण प्रतियोगिता में मो. शादाब (मदरसा जामिया अरबिया मखजनुल उलूम) ने प्रथम, मो. यासिर (मदरसा दारुल उलूम फारूकिया, काकोरी) ने द्वितीय, हानिया (मदरसा शेखुल आलम साबिरिया चिश्तिया) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में मदरसा दारुल उलूम वारसिया, मदरसा हनफिया जियाउल कुरान और मदरसा इरम मॉडल स्कूल क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे।

मान्या व शोभित के मॉडल का राष्ट्रीय प्रदर्शनी के लिए चयन

लखनऊ, (संवाददाता)। बंगला बाजार रोड स्थित लखनऊ पब्लिक कॉलेजिएट परिसर में बुधवार को तीन दिवसीय राज्य स्तरीय विज्ञान एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का समापन हुआ। विज्ञान प्रदर्शनी में राजधानी से जूनियर हाई स्कूल शीतला पुरवा के छात्र शोभित राज का मॉडल (गेहूं धोने की मशीन) और सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल की छात्रा मान्या श्रीवास्तव का मॉडल (ऊपरी बर्थ पर चढ़ने के लिए सुविधाजनक सीढ़ी) को राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली वार्षिक प्रदर्शनी व परियोजना प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया है। संयुक्त शिक्षा निदेशक विवेक नौटियाल ने बताया कि बुधवार को हुए मूल्यांकन में उत्कृष्ट कुल 31 मॉडल, प्रोजेक्ट का चयन राष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक प्रदर्शनी के लिए किया गया। चयनितों को मुख्य अतिथि बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के पार्थ सारथी सेन शर्मा ने मेडल एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया। इंस्पायर मानक राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश से चयनित वंदना, पूजा और अनय द्विवेदी को मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव मौजूद रहे। साक्षी (इटावा), अमन अहमद (महाराजगंज), बबली (जालौन), दिव्यांश (औरैया), हिमांशु (इटावा), कृष्णा (जालौन), शिवम (उन्नाव), राधा देवी (सीतापुर), वेदांश सिंह (गौतमबुद्धनगर), ओजस पांडेय (गाजियाबाद), मान्या श्रीवास्तव (लखनऊ), कृष्णा कनौजिया (बाराबंकी), आलिया फातिमा (कानपुर नगर), राहुल कुमार (बुलंदशहर), शौर्य प्रताप विसेन (बलिया), आयुष कुमार (बांदा), मोनू (मेरठ), शौर्य द्विवेदी (बस्ती), अचिंत्य मिश्रा है।

पकड़ा गया बड़ी मात्रा में नकली खोवा, सफेद पाउडर सहित ये चीजें बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। त्योहारी सीजन में कुछ दुकानदार मुनाफे के लिए मिलावटी खाद्य पदार्थ की बिक्री कर लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने पारा इलाके में स्थित एक कारखने में छापा मारकर 802 किलो सिंथेटिक खोवा बरामद किया। तमाम तरह के पाउडर भी जब्त किए जिनका इस्तेमाल सिंथेटिक खोवा बनाने में किया जा रहा था। पारा थाने में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। मिलावटी खाद्य सामग्री नष्ट कराई गई। सहायक खाद्य आयुक्त विजय प्रताप सिंह ने बताया कि गोपनीय शिकायत पर पारा की आदर्श विहार कॉलोनी में दीपक कुमार उर्फ गोलू के घर पर छापा मारा गया। यहां 202 किग्रा स्किम्ड मिल्क पाउडर, 65 किग्रा मेज स्टार्च, 505 किग्रा संदिग्ध सफेद पाउडर, 60 किग्रा माल्टोडस्टिन पाउडर व हाइड्रो पाउडर बरामद किया। इन सभी चीजों का इस्तेमाल कर सिंथेटिक खोवा बनाया जा रहा था। मौके से 802 किलो सिंथेटिक खोया भी मिला। आरोपी दीपक के मुताबिक वह दो महीने से मिलावटी खोवा तैयार कर रहा था। इससे उसको कई गुना मुनाफा हो रहा था। वह ठाकुरगंज खोवा मंडी में सिंथेटिक खोवे को खपाता था। एफएसडीए की टीम को कई और जानकारियां मिली हैं, जिससे पता चला है कि कई और लोग भी इस तरह से खोवा तैयार कर मंडी में खपा रहे हैं। उनकी तलाश जारी है। जांच टीम ने टेढ़ी पुलिया खोवा मंडी समेत कई और मंडियों में छापा मारा। 15 नमूने जांच के लिए भेजे। माल स्थित गुप्ता स्वीट हाउस और राजाजीपुरम की न्यू कमल स्वीट्स समेत चार प्रतिष्ठानों में कई खामियां पाई गईं। एफएसडीए की तरफ से इन सभी को नोटिस जारी कर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। सहायक खाद्य आयुक्त ने बताया कि अगर शहर में कहीं भी कोई मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचता है तो आम लोग भी शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए टोल फ्री नंबर 18001805533 पर कॉल करना होगा। सूचना देने वाले के बारे में पूरी जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। असली खोवे को हाथ पर रगड़ने पर यह चिकना और दानेदार महसूस होता है और दूध की खुशबू आती है। सिंथेटिक खोवा हाथ में रगड़ने पर यह रबड़ जैसा खिंचता है या फिर बहुत चिकना व तेल जैसा लग सकता है। असली खोवा दानेदार होता है। इससे बनाई गई गोलियां मजबूत होती हैं व आसानी से नहीं टूटतीं। सिंथेटिक खोवे की गोलियां बनाने पर टूटती हैं या दरार पड़ जाती है।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश ने गौतमबुद्ध नगर में पर्यटन हब और आधुनिक अवसंरचना के प्रस्ताव प्रस्तुत किए

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत सरकार की पहल 'वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' के तहत 14–15 अक्टूबर 2025 को राजस्थान के उदयपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में सम्पन्न इस सम्मेलन में देशभर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पर्यटन मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री ने अगले दशक में भारत में 50 विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों के विकास की योजना की घोषणा की।केंद्रीय मंत्री ने पर्यटन मंत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' की अवधारणा आने वाले समय में भारत के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा और गति प्रदान करेगी। उन्होंने देशवासियों से यह संकल्प लेने की अपील की कि पहले अपना देश और उसकी पर्यटन स्थलों की खोज करें, उसके बाद विदेश यात्रा करें। उन्होंने सभी राज्यों के सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना की और कहा कि उदयपुर में हुई चर्चा देश के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देगी।उत्तर प्रदेश की ओर से पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गौतमबुद्ध नगर में प्रस्तावित पर्यटन परियोजना प्रस्तुत की, जिसे सम्मेलन में विशेष सराहना मिली। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने हेरिटेज डेस्टिनेशन के साथ–साथ अर्बन टूरिज्म हब के विकास को भी प्राथमिकता दी है। इस दिशा में गौतमबुद्ध नगर में प्रस्तावित परियोजना के तहत नोएडा स्थित आईटी सिटी के समीप लगभग 100 एकड़ भूमि पर निजी क्षेत्र के सहयोग से वृहद हॉस्पिटैलिटी हब विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही मेडिकल टूरिज्म को प्रोत्साहित करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य और वेलनेस सुविधाओं का विस्तार भी प्रस्तावित है।उत्तर प्रदेश की योजना में ओखला क्षेत्र में भौगोलिक और पर्यावरणीय महत्व को ध्यान में रखते हुए 'क्लाइमेट चेंज म्यूजियम' की स्थापना शामिल है। इसके अतिरिक्त, लगभग 1,000 लोगों की क्षमता वाला अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर भी विकसित किया जाएगा, जो शोध प्रदर्शनियों और जन जागरूकता कार्यक्रमों का केंद्र बनेगा। मंत्री जयवीर सिंह ने यह भी बताया कि य ने 'वन स्टेट, वन ग्लोबल डेस्टिनेशन' परियोजना के तहत कालिंजर और सिद्धार्थनगर के लिए भी प्रस्ताव तैयार किए हैं, जो उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और आधुनिक पर्यटन विकास के बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग की भूमिका समर्थ, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने में अहम होगी।प्रमुख सचिव पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मार्थ कार्य, उत्तर प्रदेश, अमृत अभिजात ने कहा कि 'एक राज्य, एक वैश्विक गंतव्य' पहल भारत में पर्यटन विकास के लिए नया मानक स्थापित करेगी। उत्तर प्रदेश ने पहले ही आध्यात्मिक पर्यटन के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है और अब राज्य का लक्ष्य शहरी एवं आधुनिक पर्यटन को बढ़ावा देकर हर पर्यटक के लिए समग्र और आकर्षक गंतव्य स्थापित करना है।इस राष्ट्रीय सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री एवं विभिन्न राज्यों के पर्यटन मंत्रियों ने पर्यटन क्षेत्र के विस्तार, नए क्षेत्रों की पहचान और परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर गंभीर विचार विमर्श किया। उत्तर प्रदेश के प्रस्तुत प्रस्ताव राज्य के आधुनिक, हेरिटेज और स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने के दिशा–निर्देश देंगे।

चार घरों से 20 लाख का माल साफ

लखनऊ, (संवाददाता)। काकोरी के बढ़ौना गांव में मंगलवार देर रात चोर चार घरों से 20 लाख रुपये का माल साफ कर गए। उधर, इंदिरानगर में एक दफ्तर से तीन लैपटॉप, मोबाइल व अन्य सामान चोरी हो गया। एसीपी काकोरी शकील अहमद के मुताबिक रात चोर प्रॉपर्टी डीलर रवि मिश्रा, प्लंबर करन राजपूत, किसान जगदीश प्रसाद रावत और निजी कंपनी में कर्मचारी लोकेश मिश्रा के घरों में छत व दीवार फांदकर घुसे। इसके बाद अलमारी के लॉकर तोड़कर सोने–चांदी के गहने, नकदी और अन्य सामान ले गए। बुधवार सुबह परिवार के लोग उठे तो चोरी का पता चला। सूचना पर काकोरी पुलिस व फॉरेंसिक टीम पहुंची। चोरी का केस दर्ज कर पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों का पता लगा रही है। चोर रवि के घर से गहने, छह हजार रुपये, करन के घर से जेवर व पांच हजार रुपये, जगदीश के घर से गहने व 60 हजार रुपये और लोकेश के घर से जेवर व सात हजार रुपये ले गए। किसान जगदीश रावत की बेटी की एक दिसंबर को शादी है। इसके लिए घर में जेवर और नकदी रखा था। उधर, गाजीपुर थानाक्षेत्र में इंदिरानगर सेक्टर–14 स्थित डिग्री इन्वेस्टीगेशन एजेंसी के दफ्तर से 10 अक्तूबर की रात तीन लैपटाप, दो मोबाइल फोन व अन्य सामान चोरी हो गया। मालिक रमेश कुमार ने 12 को केस दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर गाजीपुर राजेश कुमार मौर्य ने बताया कि कैमरों से चोरों का पता लगाया जा रहा है।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयंती पर लखनऊ में मदरसों में विज्ञान प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर 15 अक्टूबर 2025 को मदरसा दारूल उलूम वारसिया, गोमतीनगर में विज्ञान प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. राज्य मंत्री अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज, दानिश आजाद अंसारी ने की। कार्यक्रम में संयुक्त निदेशक अल्पसंख्यक कल्याण आर.पी. सिंह, रजिस्ट्रार उ.प्र. मदरसा शिक्षा परिषद श्रीमती अंजना सिरोही, डिप्टी रजिस्ट्रार बालेन्दु कुमार द्विवेदी एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी लखनऊ श्री पवन कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न मदरसों में अध्ययनरत लगभग 2000 छात्र और छात्राओं ने भाग लिया। माननीय मंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए विज्ञान मॉडल की सराहना की। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि आज मदरसों में आधुनिक विज्ञान की शिक्षा के साथ दीनी शिक्षा भी दी जा रही है, जिससे छात्र विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें उनके चुने हुए क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए हर संभव मदद प्रदान करेगी।इस कार्यक्रम में जनपद के कुल 20 अनुदानित एवं मान्यता प्राप्त मदरसों ने विज्ञान के विभिन्न आयामों जैसे अग्नि मिसाइल, कंप्यूटर संचालन, फेफड़ों की कार्यप्रणाली, सौर मंडल आदि के सजीव मॉडल प्रदर्शित किए। प्रदर्शनी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मदरसों को पुरस्कार प्रदान किए गए। मदरसा दारूल उलूम वारसिया, गोमतीनगर को प्रथम पुरस्कार, मदरसा हनफिया जियाउल कुरान, बड़ाचांद गंज को द्वितीय पुरस्कार एवं मदरसा इरम मॉडल स्कूल, बारूदखाना को तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।साथ ही छात्रों ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की जीवनी पर हिन्दी और अंग्रेजी में स्पीच प्रस्तुत की। सर्वश्रेष्ठ तीन छात्रध्छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। मोहम्मद शादाब (मदरसा जामिया अरबिया मखजनुल उलूम) को प्रथम पुरस्कार, मोहम्मद यासिर (मदरसा दारूल उलूम फारूकिया, काकोरी) को द्वितीय पुरस्कार एवं कु. हानिया (मदरसा शेखुल आलम साबिरिया चिश्तिया) को तृतीय पुरस्कार दिया गया।उक्त अवसर पर मदरसा दारूल उलूम वारसिया के प्रबंधक श्री शरीफुल हसन, अन्य मदरसों के प्रधानाचार्य और शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में सर्पदंश न्यूनीकरण कार्यशाला 25 जनपदों के युवा आपदा मित्रों को प्रशिक्षण

लखनऊ, (संवाददाता)। राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा बुधवार को योजना भवन के वैचारिकी सभागार में सर्पदंश न्यूनीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत 25 जनपदों के मास्टर ट्रेनर युवा आपदा मित्रों के लिए एकदिवसीय नॉन–क्लीनिकल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री रणवीर प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के प्रोफेसर और चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के स्नेक बाइट प्रोग्राम के नोडल अधिकारियों ने प्रतिभागियों को सर्पदंश से बचाव, प्राथमिक उपचार और सही उपचार पद्धतियों के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया।मुख्य अतिथि रणवीर प्रसाद ने कहा कि सर्पदंश पीड़ित को उपचार से पूर्व संवेदना और शांति की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि झाड़–फूंक, तांत्रिक उपाय और अन्य अंधविश्वासों पर भरोसा जीवन के लिए खतरनाक हो सकता है। घबराहट में लिए गए गलत निर्णय जानलेवा सिद्ध हो सकते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि सर्पदंश की स्थिति में शांत रहकर समय पर अस्पताल पहुंचाना सर्वोपरि कदम है।राहत आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने कहा कि राज्य में सर्पदंश के मामलों में अंधविश्वास दूर करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एंटी स्नेक वेनम की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। "स्नेक बाइट मिटिगेशन पोर्टल" के माध्यम से रियल टाइम मॉनिटरिंग और लाइव ट्रैकिंग की व्यवस्था की गई है। निकटतम स्वास्थ्य केंद्र और एंटी स्नेक वेनम की जानकारी राहत आयुक्त हेल्पलाइन नंबर 1070 पर प्राप्त की जा सकती है।स्नेक बाइट प्रोग्राम के नोडल अधिकारी डॉ. पंकज सक्सेना ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 38 प्रजाति के सांप पाए जाते हैं, जिनमें 18 विषैले हैं। करैत, कोबरा, रसेल्स वाइपर और सॉ–स्केल वाइपर सबसे अधिक जहरीले हैं। उन्होंने बताया कि घबराहट के कारण हार्ट अटैक से भी मृत्यु हो सकती है, इसलिए पीड़ित को शांत रखना और समय पर अस्पताल पहुंचाना जीवनरक्षक कदम है।कार्यशाला में डॉ. विपिन वर्मा, डॉ. निशांत भारद्वाज, प्रो. शैफाली गौतम, डॉ. नीलकमल मिश्रा और डॉ. विकास यादव ने सर्पदंश की पहचान, प्राथमिक उपचार, सीपीआर और एम्बूबैग के सही उपयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। प्रतिभागियों को यह सिखाया गया कि पीड़ित को शांत रखकर प्रभावित अंग को हृदय से नीचे रखना और समय पर अस्पताल ले जाना ही जीवन रक्षक उपाय है।इस कार्यशाला में अमरोहा, बागपत, बहराइच, बलरामपुर, बरेली, बुलंदशहर, देवरिया, गाजियाबाद, गाजीपुर, कुशीनगर, लखीमपुरखीरी, लखनऊ, महराजगंज, महोबा, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, रामपुर, सहारनपुर, संतकबीरनगर, शामली, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र और वाराणसी से लगभग 100 युवा आपदा मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन सर्पदंश न्यूनीकरण परियोजना की राज्य सलाहकार सुश्री काव्या शर्मा ने किया। कार्यशाला ने युवा आपदा मित्रों को सर्पदंश पीड़ितों के जीवन रक्षक कदमों और समाज में फैले अंधविश्वासों को दूर करने के महत्व को समझने का अवसर प्रदान किया।

दीपों से सजे रंग और श्रद्धा के स्वर, राम की पैड़ी पर बनेगी जीवंत रंगोली

अयोध्या।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस बार का नौवें दीपोत्सव पर्व अयोध्या को नई सांस्कृतिक ऊँचाइयों पर ले जाने वाला है।रामनगरी न केवल लाखों दीपों की रोशनी में नहाएगी, बल्कि उत्तर प्रदेश की लोक कला, परंपरा और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम भी प्रस्तुत करेगी। इस वर्ष राम की पैड़ी का दृश्य सबसे अलग होगा। यहां 80 हजार दीयों से सजाई जा रही रंगोली अद्भुत दृश्य पेश करेगी, जो भक्तिभाव, सौंदर्य और कला की गहराई को एक साथ दर्शाएगी।

अयोध्या दीपोत्सव के इतिहास में पहली बार राम की पैड़ी पर इतनी बड़ी दीप–रंगोली बनाई जा रही है।यह पारंपरिक चौक पूरने की कला पर आधारित है, जिसमें मिट्टी के दीयों, रंगों और फूलों का संयोजन किया जा रहा है। इस अद्वितीय रंगोली में लगभग 80 हजार दीपों को इस प्रकार सजाया जाएगा कि ऊपर से देखने पर यह ईश्वर आमंत्रण के प्रतीकात्मक रूप में नजर आएगी मानो खुद श्रीराम के आगमन के स्वागत में धरती सजी हो।रंगोली की डिजाइन में कलश, स्वास्तिक और कमल पुष्प जैसे पारंपरिक प्रतीकों का समावेश किया गया है।कलश समृद्धि और मंगल का प्रतीक है, स्वास्तिक शुभता और सकारात्मकता का संकेत देता है,और कमल पुष्प भक्ति, पवित्रता और श्रीराम के दिव्य जीवन का प्रतीक माना गया है। इन प्रतीकों को रंगों और दीपों से इस तरह गूंथा जा रहा है कि प्रत्येक रेखा और हर दीया एक कथा कहेगा श्रद्धा, सौंदर्य और संस्कृति की।लोक संस्कृति में "चौक पूरना" वह शुभ क्षण होता है जब किसी देवता को आमंत्रित किया जाता है। यह कला न केवल सजावट का माध्यम है, बल्कि यह उस संवाद का प्रतीक भी है जो मनुष्य और ईश्वर के बीच होता है।राम की पैड़ी पर यह चौक पूरने की शैली एक भव्य और जीवंत रूप में प्रस्तुत होगी रंगों से सजी, दीपों से जगमगाती और भक्ति की ऊर्जा से ओतप्रोत।डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या की कला विभाग की टीम मे शामिल 50 छात्राओं ने मिलकर इस रंगोली को डिजाइन और तैयार किया है।हर छात्रा अपने हिस्से की दीया सज्जा, रंग भराई और पैटर्न बनाने में पूरी निष्ठा से लगी हुई है।रंगोली की प्रमुख संयोजक और कला विभाग की प्रतिभाशाली कलाकार डॉ सरिता द्विवेदी ने बताया राम की पैड़ी पर बनाई जा रही यह रंगोली हमारे लिए केवल एक कला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक अनुभव है। हर रंग, हर दीया, हर आकृति में हमने अपनी भावना और श्रद्धा उड़ेल दी है। जब इतने सारे दीप एक साथ प्रज्वलित होंगे, तो वह दृश्य सिर्फ प्रकाश नहीं बिखेरेगा, बल्कि यह पूरी अयोध्या की आत्मा को प्रकाशित करेगा।रंगोली बनाने में पारंपरिक गेरू, चावल के आटे, प्राकृतिक रंग और मिट्टी का प्रयोग किया जा रहा है ताकि इसकी मौलिकता और पारंपरिक सौंदर्य बना रहे।

दीपावली व अन्य पर्व को देखते हुए खाद्य प्रशासन द्वारा लगातार की जा रही छापेमारी

अयोध्या। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन व डीएम के निर्देशन में गठित खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के सचल दल ने शुक्रवार को दीपावलीध गोवर्धन एवं भाई दूज के पर्व पर कई स्थानों पर छापा मारा।इस संबंध मे मानिक चन्द्र सिंह सहायक आयुक्त (खाद्य)।।खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बताया कि इस कार्यवाही में उप जिलाधिकारी, बीकापुर के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, अजय कुमार सोनी, नन्द किशोर यादव के द्वारा पिपरी जलालपुर तिराहा, अयोध्या मौर्या स्वीट हाउस से 01 नमूना मिल्क केक, जगदीश स्वीट हाउस से 01 नमूना छेना मिठाई, यादव स्वीट हाउस से 01 नमूना पेड़ा एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी, सन्तोष कुमार साहू के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, जयदीप मौर्य, विवेक कुमार मौर्य, अनूप सिंह, शरद पाल के द्वारा अकबरपुरगंज रूदौली से 01 नमूना दूध की बर्फी, वाजिदपुर रूदौली से 01 नमूना मिल्क केक, 01 नमूना खोआ, 01 नमूना दूध तथा 1 कुन्तल मिल्क केक मूल्य 150ध– रू0 कुल मूल्य 15000ध–रूपये का नष्ट कराया।जबकि छेना रस गुल्ला 20 कि0 मूल्य 300ध– रू0 कुल मूल्य 6000ध –रूपये का नष्ट कराया गया तथा मण्डलीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी ऋचा पाण्डेय के द्वारा रामलौटन, कुण्दरखा खुर्द, सोहावल से 01 नमूना कलाकन्द का नमूना संग्रहित कर जांच हेतु जनविश्लेषक प्रयोगशाला को भेजा गया है। जिनकी जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जायेगी।इस प्रकार दीपावलीधगोवर्धन एवं भाई दूज के पर्व पर आमजनमानस को सुरक्षित खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से चलाये गये विशेष छापेमारी अभियान में शुक्रवार को कुल 8 नमूने संग्रहित कर जाँच हेतु विश्लेषक प्रयोगशाला को भेजे गये हैं।

धनतेरस और दीपावली के लिए व्यापारियों ने तैयारी कर ली, बड़ी संख्या में खरीददारी की उम्मीद

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिले के बाजारों में दुकानदारों ने ध नतेरस के लिए तैयारी कर ली है और दुकानों पर इलेक्ट्रिक सामान और बर्तनों की नई खेप आ गई है। बड़ी संख्या में लोग दिवाली पर्व के लिए गहने, कपड़े और बर्तन खरीदने के लिए पहुंच रहे हैं। इलेक्ट्रानिक्स, ज्वेलरी, मिठाई समेत अन्य दुकानदार ग्राहकों के इंतजार में लगे हुए हैं। धनतेरस पर बर्तन की दुकानों पर सबसे अधिक भीड़ होती है। क्योंकि धनतेरस पर बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। बर्तन की दुकानों पर लोग तांबे और स्टील के कलश के अलावा पीतल की थाली को पसंद कर रहे हैं। आभूषणों की दुकानों पर पहुंचे ग्राहक लक्ष्मी–गणेश बने सिक्कों की मांग कर रहे हैं। व्यापारियों को भी इस बार अच्छे व्यापार की उम्मीद है। जिले के हरदोई, बिलग्राम, सवायजपुर, पिहानी,शाहाबाद, संडीला, मल्लावां, पाली, बालामऊ, बेनीगंज, माधोगंज तथा अन्य बाजारों में स्टील के लोटे, तांबे के कलश, और पीतल की दीपक थाली सबसे ज्यादा बिक रही है। गृहिणी एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख रोली गुप्ता ने बताया कि धनतेरस पर बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि नया सामान घर में आने से लक्ष्मी स्थायी रूप से बसतीं हैं। इसलिए हम हर साल तांबे का लोटा और चांदी का सिक्का जरूर लेते हैं। वहीं दोपहिया वाहनों के बाजार में भी तेजी आई है। युवतियां स्कूटी सबसे अधिक पसंद कर रही हैं। वहीं दो पहिया वाहनों की दुकानों पर लोग अपने लिए वाहनों को बुक करा रहे हैं। दीपावली पर नए कपड़ों की खरीदारी के लिए भी लोगों की भीड़ उमड़ रही है। सदर बाजार में इलेक्ट्रानिक्स की दुकानों पर लोग सामानों को पसंद करके जा रहे हैं। स पिहानी चुंगी हरदोई की शिक्षिका वैशाली यादव बताती हैं कि आज के समय में लोग इलेक्ट्रॉनिक्स भी खरीदते हैं, जैसे मिक्सर, कुकर, इंडक्शन और मोबाइल आदि। त्योहार के मौके पर कुछ नया खरीदना ही सौभाग्य का प्रतीक है।

जीजीआईसी की छात्रा कुछ देर के लिए बनी एसओ जीआरपी कैंट रेलवे स्टेशन अयोध्या

अयोध्या। मिशन शक्ति फेस – 5 के तहत शुक्रवार को थानाध्यक्ष जीआरपी रेलवे कैंट अयोध्या समर बहादुर सिंह ने जीजीआईसी अयोध्या की कक्षा 11 की छात्रा रागिनी निषाद को कुछ समय के लिए थानाध्यक्ष जीआरपी अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन का कार्यभार सौपा।कार्यभार सौंपने से पहले उन्होंने थानाध्यक्ष बनी जीआरपी रागिनी निषाद को पुष्प गुच्छ देकर उन्हें कुर्सी पर बिताया।थाना अध्यक्ष बनी रागिनी निषाद ने जीआरपी में तैनात पुलिस कर्मियों से अपराध रजिस्टर, महिला से संबंधित समस्या के निस्तारण किये जाने वाले रजिस्टर सहित मगांकर कुछ जानकारी हासिल किया।इस मौके पर रागिनी निषाद को भी कुछ जानकारी कैंट रेलवे स्टेशन जीआरपी समर बहादुर सिंह ने जीआरपी थाना के कार्यशैली को बारीकी से बताया। इस मौके पर रागिनी निषाद ने जीआरपी कार्यालय, कैंट रेलवे स्टेशन परिसर मे खासकर सभी प्लेटफार्म, आरक्षण केन्द्र, प्रतीक्षालय का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर थानाध्यक्ष जीआरपी समर बहादुर सिंह के उप निरीक्षक संजय अग्निहोत्री अलावा जीजीआईसी अयोध्या की प्रवक्ता व कालेज की मिशन शक्ति नोडल प्रभारी अनीता कनौजिया के जीआरपी थाना की महिला आरक्षी अंजू सहित थाने के अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

झुनझुनवाला में विश्व खाद्य दिवस पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

अयोध्या।झुनझुनवालख में विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस मौके पर खाद्य सुरक्षा,पोषण और स्वास्थ्य के प्रति जन–जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से संस्थान के डी. फार्मा विभाग द्वारा विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. गिरीजेश त्रिपाठी ने की।मुख्य अतिथि के रूप में धीरेन्द्र नाथ पाण्डेय ब्लॉक कोऑर्डिनेटर मसौधा (यूनिसेफ) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अशुतोष पाण्डेय, चीफ फार्मासिस्ट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मसौधा उपस्थित रहे।ब्लॉक मोबिलाइजर कोऑर्डिनेटर यूनिसेफ ब्लॉक मसौधा ध ीरेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि "खाद्य सुरक्षा केवल भोजन की उपलब्धता तक सीमित नहीं है,बल्कि पौष्टिकता और संतुलन का भी ध्यान रखना आवश्यक है। स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए जागरूक युवा सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि संतुलित आहार शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और बीमारियों से बचाव में मदद करता है। अंत में निदेशक डॉ. गिरीजेश त्रिपाठी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारी और स्वास्थ्य के महत्व को समझने में सहायक होते हैं। उन्होंने छात्रों से आह्वान किया कि वे पोषण और खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

रंगारंग कार्यक्रम के बीच हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ महाराजा अग्रसेन की जयंती समारोह

अयोध्या। गुरुवार की शाम मारवाड़ी सेवा सदन में महाराजा अग्रसेन की जयंती समारोह हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारम्भ अध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल संगठन मंत्री मनीष गोयल, महामंत्री नीलकमल अग्रवाल,कोषाध्यक्ष गौतम अग्रवाल, श्रीनिवास अग्रवाल सजन अग्रवाल, आनंद सिंघल पंकज गोयल,सुयश अग्रवाल, मातादिन अग्रवाल,बृज किशोर गोयल, अजय सिंगल,अरविंद अग्रवाल सियाराम अग्रवाल हनुमान प्रसाद खंडेलवाल,आयुष बंका सहित अपने लोगों ने महाराजा अग्रसेन की चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।वही कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण इस मौके पर छोटे–छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों ने एक से बढ़कर एक भजन, देशभक्ति, सहित कई कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्र मुक्त कर दिया।कार्यक्रम में शंकर जी का नृत्य,गणेश वंदना,मैया यशोदा ये तेरी कन्हैया, प्रस्तुत किए गए कई नृत्य प्रस्तुत कर नन्हे मुन्ने बच्चों ने वाहवाही लूटी।महाराजा अग्रसेन महाराज की जयंती समारोह मे आयोजित कई प्रतियोगिताओं में प्रथम युग कनोडिया, अक्षत अग्रवाल,गार्गी बंका, सार्थ अग्रवाल, रवि अग्रवाल, विरांश गोयल,श्रेयांश,अनिक सिंघल, श्रेयांश,आयुष अग्रवाल,नेहा बंसल,महक अग्रवाल, शिवानी गोयल, बबली अग्रवाल, अंशिका गर्ग,नीलम अग्रवाल,महेश की आकर्षण प्रस्तुति रही।कार्यक्रम मे रियांश गर्ग, अच्युत गोयल,श्री जी अग्रवाल, रिद्धि अग्रवाल,धनुष्का सिंघल,वैभव अग्रवाल, जयती छापरिया,कृष्ण अग्रवाल, कार्तिक अग्रवाल,अमित केडिया, खुशी अग्रवाल, रागिनी बंका, जूली गर्ग आयुषी डालमिया, पूजा अग्रवाल, मनोज कुमार अग्रवाल, देवांश गोयल, यश गोयल, रिद्धि अग्रवाल,पावनी कनोडिया, आदित्य अग्रवाल समर्थ अग्रवाल,वर्तिका अग्रवाल, समर्थ खेतान धनुष्का सिंघल जयति,कुशल अग्रवाल, राधा पचेरीवाला, अर्चना केडिया,मंजू अग्रवाल,संदीप अग्रवाल उपस्थित रहे।अंत मे सभी विजेताओं व अन्य बच्चों को सम्मानित किया गया।

50वीं योगासन स्पोर्ट्स चौंपियनशिप नाडा मंडपम मैसूर कर्नाटक में संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 50वीं योगासन स्पोर्ट्स चौंपियनशिप नाडा मंडपम मैसूर कर्नाटक में संपन्न हुआ। उक्त जानकारी देते हुए योगा फेडरेशन जौनपुर की अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय रेफरी रजनी साहू ने बताया कि इसमें उत्तर प्रदेश की टीम ने भी प्रतिभाग किया था उत्तर प्रदेश की टीम से कुल 27 खिलाड़ी तथा 7 निर्णायक जिसमें प्रतीक कुमार मौर्य, संजय यादव, रजनी साहू, सीमा सिंह, प्रज्ञा, अंजू मौर्य, यादव पूजा सुरेंद्र प्रतिभाग किए थे प्रतियोगिता में 20 से 30 प्रोफेशनल आयु वर्ग में विकास पटेल ने चतुर्थ स्थान, संजय यादव पंचम स्थान, अनिल कुमार आर्टिस्टिक सोलों में एवं प्रफुल्ल कुमार ने छठा स्थान प्राप्त कर शानदार प्रदर्शन किया सभी विजेता खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का मान बढ़ाने पर संस्था के महासचिव आचार्य भीम ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की! कार्यक्रम में योगा फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल एवं सचिव डॉक्टर अभिनव जोशी द्वारा सभी राष्ट्रीय रेफरी को सम्मानित किये! श्री गणपति सच्चिदानंद गुरु जी, वियतनाम के अध्यक्ष, हांगकांग के अध्यक्ष

संक्षिप्त खबरें

धोखाधड़ी कर सरकारी जमीन का 7.20 लाख में कर दिया सौदा

पीलीभीत, (संवाददाता)। कब्जा की गई सरकारी जमीन की बिक्री कर 7.20 लाख रुपये हड़प लिए गए। इस मामले में नानकमत्ता के मटीहा निवासी हरदीप के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। उत्तराखंड के सितारगंज निवासी परमजीत सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें कहा कि गांव के समीप रहने वाले हरदीप सिंह का उसके घर आना जाना था। हरदीप ने उसे हजारा थाना के गांव टाटरगंज में चार एकड़ कृषि जमीन होने की जानकारी दी। साथ ही जरूरत पर जमीन बिक्री करने की बात कही। जमीन और हस्तलिखित खतौनी देखने के बाद दो एकड़ जमीन का सौदा 7.20 लाख में तय हो गया। बैनामा कराने की तिथि 18 फरवरी 2021 तय हुई। तय तिथि पर पूरनपुर के उप निबंधक कार्यालय पहुंचने पर हरदीप भी अपने दो साथियों के साथ आया। बैनामा लिखाने से पहले हरदीप ने गवाहों के सामने जमीन के 7.20 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद जमीन पर गेहूं की फसल खड़ी होने का तर्क देकर कटाई के बाद बैनामा 30 अप्रैल 2021 के बाद कराने को कहा। इसको लेकर 10–10 रुपये के स्टांप पेपर पर इकरारनामा हुआ।

जांच के बाद 1400 आवेदन पत्र भेजे गए डूडा कार्यालय

पीलीभीत, (संवाददाता)। तहसील प्रशासन ने जांच के बाद प्रध ानमंत्री आवास योजना के 1400 आवेदन पत्र जिला नगरीय विकास अभिकरण कार्यालय भेज दिए हैं। नगर के विभिन्न मोहल्लों के तीन हजार से अधिक लोगों ने प्रधानमंत्री आवास प्राप्त करने के लिए जिला नगरीय विकास अधिकरण कार्यालय में आवेदन पत्र काफी समय पहले जमा किए थे। जिला नगरीय विकास अभिकरण कार्यालय की परियोजना अधिकारी ने आवेदन पत्रों को जांच के लिए नगर पालिका कार्यालय भेज दिया था। नगर पालिका कर्मचारियों ने आवेदन पत्रों की स्थलीय जांच की। इसमें 2600 लोग पात्र पाए गए। नगर पालिका परिषद के ईओ शमशेर ने इन सभी आवेदकों को आवास दिलाए जाने की संस्तुति करते हुए पत्रावली तहसील कार्यालय भेजी। एसडीएम के निर्देश पर लेखपालों ने उन आवेदन पत्रों की जांच की। इनमें से 1400 आवेदन पत्रों की जांच हो गई। एसडीएम नागेंद्र पांडेय ने बताया कि जिन 1400 आवेदन पत्रों की जांच हो गई है, उनकी रिपोर्ट जिला नगरीय विकास अभिकरण कार्यालय भेज दी गई। शेष आवेदन पत्रों की जांच कराई जा रही है।

सीएचसी में डेंगू पीड़ितों के लिए बरामदे में डाले बेड

पीलीभीत, (संवाददाता)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गांव रसिया खानपुर के 37 डेंगू पीड़ितों का उपचार चल रहा है। जगह कम पड़ जाने के कारण 14 मरीजों को बरामदे में बेड डालकर भर्ती कर लिया गया है। गांव रसिया खानपुर में लगभग एक माह से तेज बुखार फैला हुआ है। इस बुखार की चपेट में आकर नौ लोगों की मौत हो गई है। सैकड़ों की संख्या में लोग बीमार हैं। बीसलपुर और बरेली के अलग–अलग निजी अस्पतालों में पीड़ितों का उपचार चल रहा है। अभी तक सरकारी स्तर से हुई जांच में गांव के 43 मरीज डेंगू पीड़ित पाए गए।

प्रशिक्षण ऐसा हो जिससे तुरंत व्यवसाय शुरू हो जाए - कुमार अवनीश डी जी एम

हरदोई ध्शाहजहांपुर (अम्बरीष कुमार सक्सेना) हिंदुस्तान के हर हांथ को नौकरी नहीं व्यवसाय से जोड़ा जा सकता है। यह कहावत चरितार्थ की जा रही है,विनोबा सेवा आश्रम एंव रोजा पावर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड के सहयोग से संचालित स्वाबलम्बन उद्यमिता कौशल प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से। जिसमें आज प्रशिक्षण के पांचवे बैच के लाभार्थियों को प्रशिक्षु प्रमाण पत्र वितरण समारोह स्वावलंबन केन्द्र दिलावरपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 11 गांव के 30 लाभार्थी को राजमिस्त्री एवं पलंबर व्यवसाय में प्रशिक्षित किया गया जिसमें प्रशिक्षण अवधि में ही सीखे हुए हाथों को काम मिलने लगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोजा पावर सप्लाई कम्पनी लिमिटेड के सीएसआर उप महाप्रबंधक श्री कुमार अवनीश ने कहा कि स्वाबलंबन कार्यक्रम रोजा पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड का प्रमुख कार्यक्रम है। रोजा क्षेत्र के अब तक 211 युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए विनोबा सेवा आश्रम के सहयोग से प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसी क्षेत्र में विनोबा सेवा आश्रम के साथ शिक्षा स्वास्थ्य आय उपार्जन का भी कार्यक्रम हेल्प जन कल्याण हेतु चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन गांवों का कोई युवक या युवती ऐसी नहीं बचेगी जिसे कुछ न कुछ व्यवसाय का प्रतिक्षण न दिया जाए।अगर उसके अंदर हुनर प्राप्त करने की लालसा है तो पूरा करना हमारी संस्था का प्राथमिक काम है। संभवतः कोई घर नहीं छूटेगा जिसके घर से युवा या युवती या बहू ने प्रशिक्षण लिया हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विनोबा सेवा आश्रम के संस्थापक रमेश भइया ने कहा गांव में अधिक से अधिक बेरोजगार लोगों को रोजगार संबंधी प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना गांधी एंव विनोबा जी की कल्पना को साकार किया जा रहा है। गांव में प्रेम और भाईचारा का वातावरण बनाना है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन की मदद के बजाय हुनर देना स्थाई रोजगार है।बाबा विनोबा कहते थे कि हमें छप्पर वाली मदद नहीं क्योंकि वह जिस थूमरी पर टिकी होती है उसकी मदद हटते ही गिर जाती है जबकि लिंटर वाली मदद स्थाई होती है इस कहाबत के तहत गांव के हर परिवार को स्वरोजगार से जोड़कर उसका व्यवसाय शुरू कराना है। इससे पहले विनोबा सेवा आश्रम के सचिव मोहित कुमार ने स्वाबलंबन हेल्प कार्यक्रम की भावी रणनीति बताते हुए कहा कि अब तक प्रशिक्षण प्राप्त किये अधिकाधिक सभी लाभार्थी अपना उद्योग स्थापित कर अच्छी आमदनी कर रहें हैं और सफल प्रशिक्षुओं को सरकार की योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है जिससे स्वरोजगार स्थापित करने में कोई कठिनाई नही आ रही है। इस प्रशिक्षण की सफलता संपूर्ण क्षेत्र के लिए उदाहरण बन रही है जिसमे प्रत्येक लाभार्थी अपना भरपूर योगदान दे रहा है। इसलिए आज यह कार्यक्रम क्षेत्र के युवकों के लिए मॉडल माना जा रहा है। प्रशिक्षण पाओ व्यवसाय से जुड़ जाओ। यह नारा आज गांवों का नारा बन गया है। कार्यक्रम प्रबन्धक अंकित मिश्रा ने कहा कि परियोजना प्रभावित गांव के लोग अच्छे उद्यमी बनकर आत्मनिर्भर बने तथा न केवल अपने सपनों को पूरा करें बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करायें। इस कार्य में हेल्प कार्यक्रम का पूर्ण सहयोग सुनिश्चित किया जायेगा। कार्यक्रम में प्रशिक्षण समन्वयक अखलाक खान ने स्वाबलम्बन के प्रथम एवं द्वितीय, तृतीय चतुर्थ एवं पंचम चरण की गतिविधि एवं आगामी कार्य योजना के बारे में बताया कार्यक्रम का संचालन पर्यवेक्षक जे डी अग्निहोत्री ने किया तथा सभी को धन्यवाद अशोक सिंह ने दिया, सभी का स्वागत समन्वयक अरूण सिंह एंव प्रियांशु सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में सभी को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

आकाशवाणी के सिक्योरिटी इंचार्ज ने किया हमला, बनाया बंधक- गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। आकाशवाणी कार्यालय परिसर में मंगलवार की दोपहर सिक्योरिटी इंचार्ज ने भाजपा जिला उपाध्यक्ष ब्रजेश मणि मिश्रा पर हमला कर दिया। उसने उपाध्यक्ष को थप्पड़ जड़ने के साथ ही रॉड से हमले की कोशिश की। आरोप है कि कार्यालय का गेट बंद कर बंधक भी बना लिया गया। मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पहुंचे तब भी नहीं छोड़ा। सीओ कोतवाली के नेतृत्व में पुलिस फोर्स ने पहुंचकर उन्हें मुक्त कराया। जिला उपाध्यक्ष की तहरीर पर हत्या की कोशिश का केस दर्ज कर आरोपी सिक्योरिटी इंचार्ज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को भाजपा के जिला उपाध्यक्ष ब्रजेश मणि मिश्रा नगर निगम में गए थे। निकलते समय एक मीडिया संस्थान के कर्मी ने उन्हें इंटरव्यू लेने के लिए रोका। ब्रजेश मणि ने बताया कि वह मीडिया कर्मी के साथ आकाशवाणी परिसर के पास पहुंचे।

वहां पर गार्ड से इंटरव्यू के लिए दो मिनट के लिए कुर्सी मांगी। गार्ड ने दोनों को बैठने की अनुमति दे दी। आरोप है कि उसी समय सिक्योरिटी इंचार्ज देव भूमि सिंह पहुंचे और परिसर में वीडियो रिकॉर्डिंग पर आपत्ति जताई। जिला उपाध्यक्ष ने अपना परिचय देते हुए बताया कि वे केवल कुछ मिनट की रिकॉर्डिंग करना चाहते हैं। इसके लिए रजिस्टर में एंट्री भी करने को तैयार हैं। इसके बावजूद सिक्योरिटी इंचार्ज ने रिकॉर्डिंग पर रोक लगाई। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि बहस बढ़ने पर सिक्योरिटी इंचार्ज ने जिला उपाध्यक्ष को धक्का दे दिया और गाली–गलौज करने लगे। इसका विरोध करने पर देव भूमि सिंह ने मुख्य गेट बंद कर उपाध्यक्ष को परिसर के अंदर बंद कर लिया। साथ ही उन्हें चार–पांच थप्पड़ भी मारे, जिससे उन्हें हल्की चोटें आईं। वहीं, मीडिया संस्थान से आए रिपोर्टर को भी बंद कर दिया गया। ब्रजेश मणि ने आरोप लगाया कि सिक्योरिटी इंचार्ज ने उनपर हमला करने के लिए रॉड भी उठा लिया था। घटना के बाद परिसर में अफरा–तफरी मच गई और भाजपा कार्यकर्ता इकट्ठा हो गए। मौके पर मेयर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव भी पहुंचे। नगर निगम चौकी इंचार्ज और कार्यकर्ताओं ने जिला उपाध यक्ष को बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन सिक्योरिटी इंचार्ज ने गेट बंद रखा। बढ़ती भीड़ को देखते ही सिक्योरिटी इंचार्ज अंदर ऑफिस में भागकर छुप गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।